JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भरतपुर जिले की वर्तमान आर्थिक स्थति

Researcher scolar– RAJKUMAR DHAKAR **supp. Vi. Dr.pradeep kumar pandey**

SINGHANINA UNIVERSITY JHUNJHUNU RAJASTHAN

1 परिचय -(Introduction) -इस शोध का मुख्य उदेश्य हें की भरतपुर जिले की आर्थिक स्थति के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करना हें | भरतपुर जिले का आर्थिक विकास किस प्रकार हो रहा हें व यहाँ के आर्थिक विकास को सामाजिक, राजनीतिक, प्रभाव किस प्रकार प्रभावित कर रहे हें |भरतपुर जिला राजस्थान में अवस्थित है। इस शोध में जिला प्रशासन, भूगोल, व्यापार और वाणिज्य, और राजनीतिक संरचना के बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी है। इस शोध पत्र में यह जानने का प्रयास किया गया हें की यहाँ का आर्थिक विकास किस प्रकार बढ़ रहा हें पर्यटन स्थलों जैसे केवलादेव, राष्ट्रीय उद्यान, लोहागढ़ किला, डीग, नंद भवन, पुराण महल आदि के माध्यम से सामाजिक आर्थिक विकास किस प्रकार प्रभावित हो रहा हें। जिले के उद्योगों, कृषि एवं खनिज से संबंधित सूचना भी एकत्रित की गयी है। कार्यशाला योजना, प्रस्तावित योजना, इंदिरा आवास योजना, और ग्रामीण आवास योजना के बारे में भी अध्यन करना हें |

भरतपुर के उपनाम –भरतपुर को राजस्थान का पूर्वी सिंहद्वार, पक्षियों का स्वर्ग स्थल, राजस्थान का प्रवेश द्वार कहते है। भरतपुर राजस्थान का एक प्रमुख शहर होने के साथ-साथ देश का सबसे प्रसिद्ध पक्षी उद्यान भी है। 29 वर्ग कि॰मी॰ में फैला यह उद्यान पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। विश्व धरोहर सूची में शामिल यह स्थान प्रवासी पक्षियों का भी बसेरा है। भरतपुर शहर की बात की जाए तो इसकी स्थापना जाट

शासक राजा सूरजमल ने की थी और यह अपने समय में जाटों का गढ़ हुआ करता था। यहाँ के मंदिर, महल व किले जाटों के कला कौशल की गवाही देते हैं। राष्ट्रीय उद्यान के अलावा भी देखने के लिए यहाँ अनेक जगह हैं

2 शोध के उद्देश्य –

1 इस शोध पत्र का मुख्य उदेश्य यह हें की यहाँ के निवासीयों के लिए उद्योग के माध्यम से रोजगार के कोन कोन साधन उपलब्ध हें|

2 इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य यह हें की यहाँ के लोगों के लिए आर्थिक व्यवस्था को सुद्रड किस प्रकार बनया जाये जिससे अर्थ व्यवस्था को उच्च बनाया जाये |

3 शोध क्षेत्र- भरतपुर राजस्थान राज्य का एक प्रमुख पर्यटन शहर हैं जिसको 'राजस्थान का पूर्वी द्वार' कहा जाता है। ये शहर राजस्थान के ब्रज क्षेत्र में स्थित है। यह शहर राजस्थानी परंपराओं के साथ पर्यटकों द्वारा सबसे अधिक घूमा जाने वाला स्थान है। इस शहर को लोहागढ़ के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह दिल्ली, जयपुर और आगरा के सुनहरे पर्यटन त्रिकोण का एक भाग है। यह पर्यटन शहर हर साल काफी संख्या में पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

भरतपुर भारत के एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान केवलादेव का भी घर है जिसमें 370 से अधिक जानवरों और पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इस नेशनल पार्क को 1985 में, यह यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थलों की सूचि में शामिल किया गया था। भरपुर का क्षेत्रफल→ 5,066 वर्ग किलोमीटर है।भरतपुर की मानचित्र स्थिति – 26°22′ से 27°17′ उत्तरी अक्षांश से 76°53′ से 78°17′ पूर्वी देशान्तार।भरतपुर के पूर्व में हरियाणा, उत्तर प्रदेश (आगरा व मथुरा), पश्चिम में करौली, दौसा तथा अलवर, उत्तर में हरियाणा (गुडगांव) तथा दक्षिण में धौलपुर है।

भरतपुर में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 7 हैं, जो निम्न हैं –1. कामां 2. नगर 3. डीग-कुम्हेर 4. भरतपुर 5. नदबई 6. वैर 7. बयाना 2011 की जनगणना के अनुसार भरतपुर की जनसंख्या के आंकड़े –कुल जनसंख्या—25,48,462 पुरुष—13,55,726 स्त्री—11,92,736 दशकीय वृद्धि दर—21.4% लिंगानुपात—880 जनसंख्या घनत्व—503 साक्षरता दर—70.1% पुरुष साक्षरता—84.1% महिला साक्षरता—54.2% भरतपुर में कुल पशुधन – 12,69,415 (LIVESTOCK CENSUS 2012) पशुघनत्व – 251 (LIVESTOCK DENSITY(PER SQ. KM.))

4भरतपुर जिले के आर्थिक क्षेत्र

पर्यटन

भरतपुर राजस्थान का एक प्रमुख शहर होने के साथ-साथ देश का सबसे प्रसिद्ध पक्षी उद्यान भी है । 29 वर्ग किलोमीटर में फैला यह उद्यान पक्षी प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है । विश्व धरोहर सूची में शामिल यह स्थान प्रवासी पक्षियों का भी बसेरा है । यहाँ आने वाले हर पर्यटन के आकर्षण का केंद्र पक्षी उद्यान ही रहता है। सर्दियों के मौसम में यहाँ प्रवासी पक्षियों को देखा जा सकता है। विलक्षण पक्षी देखना चाहते हैं, तो अक्तूबर और अप्रैल में यहाँ आएँ। हरियाणा में 'सुल्तान पक्षी उद्यान' और उत्तराखंड में 'जिम कॉर्बेट नेशलन पार्क' भी पक्षी प्रेमियों के लिए अच्छे ठिकाने हैं। यहाँ 150 विभिन्न प्रजातियों के पक्षी देख सकते हैं। जिनमें भारतीय मैना से लेकर बुलबुल तक शामिल हैं।

शहर के बाहरी इलाक़े में स्थित केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान, पर्यटकों के सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र है, जो मुर्ग़ाबियों के विशाल जमावड़ों, सारस पक्षियों के आवासीय घोंसलों, बगुलों, बुज्जा पक्षियों, हेरन, बानकर और जलकौवों के लिए विश्वविख्यात है। यह पक्षी उद्यान भारत का एकमात्र ऐसा स्थान है, जिसे प्रवासी 'साइबेरियाई सारस' की शरणस्थली के रूप में जाना जाता है।

संचार एवं व्यवसाय

एक संचार केन्द्र के तौर पर सड़क व रेल मार्ग से जयपुर, आगरा और मथुरा से जुड़ा भरतपुर महत्त्वपूर्ण औद्योगिक और कृषि व्यवसाय केन्द्र भी है। इसके प्रमुख उद्योगों में तेल-मिलें, धातु निर्माण कारख़ाने, रेलवे कार्यशालाएँ और मोटरगाड़ी बनाने के कारख़ाने शामिल हैं। भरतपुर के हाथीदाँत, चाँदी या चन्दन की लकड़ी के हत्थे वाले हाथ से बने चंवर प्रसिद्ध हैं। इस शहर में कई अस्पताल हें और ब्रजविश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय भी हैं।

कृषि

भरतपुर उत्तर और दक्षिण में विलग पहाड़ी क्षेत्र में एक विस्तृत जलोढ़ मैदान में स्थित है। बाजरा, चना, जौ, गेंहूँ और तिलहन यहाँ की प्रमुख फ़सलें हैं। भरतपुर जिले की मुख्य फसल सरसों हें जिस के विकास के लिए यहा सरसों अनुसंधान केंद्र हें जो बिभिन्न किस्मो का विकास करके उत्पादन को बढ़ाबा दे रहा हें|

उद्योग – इस जिले की अर्थव्यवस्था में वभिन्न उद्योग का महत्व पूर्ण योगदान इस जिले में कृषि आधारित उधोग का महत्व पूर्ण स्थान हें इस के अलावा यहा पत्थर उधोग भी महत्व पूर्ण हें यह बंशी पहाड़पुर लाल पत्थर के उत्पादन के लिए जाना जाता हें राम मंदिर के निर्माण के लिए यह से पत्थर भेजा जा रहा हें|

5 सुझाव – 1 यहाँ के पर्यटक स्थलों का पुनरोद्धार करया जाये कुछ स्थल जीर्ण शीर्ण अवस्था में हें सरकार के माध्यम से उन स्थानों का पुनरोद्धार करया जाये जैसे लोहागढ का किला कई जगहों पर टूट गया हें वैर ,बयाना ,भुसावर, डीग कुम्हेर , इन स्थानों पर जितनी भी प्राचीन इमारतें हें उनकी मरम्मत कराई जाये जिससे ये आकर्षण का केंद्र बन सके|

2 इस जिले का राजनितिक द्रष्टि से हटकर विकास किया जाना चाहिए जिससे लोगो का सामाजिक आर्थिक विकास हो सके | यह क्षेत्र राष्टीय राजधानी में होने पर भी पिछड़ा हुआ हें

3 इस क्षेत्र की सड़कों का विकास किया जाना चाहिए क्यों की यहाँ की सडक परिवहन की स्थति बहुत ही ख़राब हें

4 सरकार के माध्यम से इस क्षेत्र की जल भराव की समस्या पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए क्यों की यह समस्या भी अधिक बनी हुई हें जिस करण मच्छर अधिक हें यहाँ की प्रवाह प्रणाली को विकसित किया जाना चाहिए

6 सन्दर्भ सूची-

1. "Lonely Planet Rajasthan, Delhi & Agra," Michael Benanav, Abigail Blasi, Lindsay Brown, Lonely Planet, 2017, ISBN 9781787012332

.2 "Berlitz Pocket Guide Rajasthan," Insight Guides, Apa Publications (UK) Limited, 2019, ISBN 9781785731990

3. *"संग्रहीत प्रति". मूल से 6 फ़रवरी 2020 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 26 अप्रैल 2020.*

4. *"संग्रहीत प्रति". मूल से 4 जुलाई 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 26 अप्रैल 2020.*

5 *Pardesh, Aapno. "राजस्थान की जलवायु" (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 2020* ↑

• DEPARTMENT OF SCIENCE TECHNOLOGY GOVT.OF RAJASTHAN

• RAJASTHAN NEWS PAPER DATA CALLECTION

• DATA COLLECTION OF KEVLADEV INTERNATION PARK

• AGRWAL V.P SHARMA (1980) ECOLOGY SYSTEM TODAY AND • AGRWAL V.P SHARMA (1980)